जगदम्ब अहीं अअवलम्ब हमर

Bhakti Parv by The Mithila Times

जगदम्ब अहीं अबिलम्ब हमर

जगदम्ब अहीं अबिलम्ब हमर

हे माय आहाँ बिनु आश ककर

जँ माय आहाँ दुख नहिं सुनबई

त जाय कहु ककरा कहबै

करु माफ जननी अपराध हमर

हे माय आहाँ बिनु आश ककर

हम भरि जग सँ ठुकरायल छी

माँ अहींक शरण में आयल छी

देखु हम परलऊँ बीच भमर

हे माय आहाँ बिनु आश ककर

काली लक्षमी कल्याणी छी

तारा अम्बे ब्रह्माणी छी

अछि पुत्र-कपुत्र (PRADEEP) बनल दुभर

हे माय आहाँ बिनु आश ककर

जगदम्ब....